>

Title: Regarding Hindi version of Liberhan Commission Report.

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): हिन्दी में कापी प्रस्तुत कराई जाये, यह समाजवादी पार्टी की मांग है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : हां, आप बैठ जाइये। इतने अच्छे से शून्य प्रहर चल रहा था...

â€¦(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : मैम्बर्स बिना पढ़े हुए कैसे यहां पर बोलेंगे?...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है। आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

SHRI BASU DEB ACHARIA : Madam, it is very surprising to note that the Government was unable to reproduce the Hindi version of the Report even after five months. ...(*Interruptions*) It is an utter failure of this Government. ...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI PAWAN KUMAR BANSAL): Madam, the Government -- responding to the wishes of the House with utmost dispatch -- presented the Report to the House the day the hon. Members wanted it. The very next day the Report was presented to the House, and it was then that the entire House was pleased to exempt from laying the copy of the Hindi version of the Report on the Table of the House at that time. ...(*Interruptions*)

Now, with respect, I would like to say that to infer -- as the hon. Member has done -- that perhaps the Government is not interested in the debate is unwarranted. ...(*Interruptions*) We had said that we were prepared for the discussion even on the very day the document was laid on the Table of the House. ...(*Interruptions*) Therefore, it was ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : बसुदेव आचार्य जी, आप बैठ जाइये, आप क्यों खड़े हैं। आप बैठ जाइये।

श्री दारा सिंह चौहान : हिन्दी में कापी क्यों नहीं रखी, क्या आपको राष्ट्रभाषा से प्रेम नहीं है? ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप उनकी बात सुन लीजिए।

श्री पवन कुमार बंसल: अगर आपको बोलना है, किसी की बात सुननी है, तब तो बात चलेगी, नहीं तो ऐसे ही शोर चलता रहेगा। मैडम, जैसा आप जानती हैं, कल माननीय मुलायम सिंह यादव जी...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप उनकी बात सुन लीजिए। आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल: जो सेंटेंस आप पहले चाहेंगे, मैं वह पहले बोलूं तो मुझे कैसे पता चलेगा कि आप क्या चाहते हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठिये।

श्री पवन कुमार बंसल: मैं हिन्दी में बोल रहा हूं। अब मैं हिन्दी में बोलूंगा।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइये।

श्री पवन कुमार बंसल: अध्यक्ष महोदया, जैसा आप जानती हैं कि कल माननीय श्री मुलायम सिंह यादव जी आपके पास आये थे, हालांकि मुझे यह बात कहने की जरूरत नहीं होनी चाहिए थी, कल वे आये थे, उनकी बात की कदू करते हुए आपने तब हमें और उप-नेता विपक्ष से पूछा था कि क्या अगर हम आज चर्चा न लें तो ठीक है। हम सभी ने उस बात से अपनी मर्जी जाहिर की थी और फिर आपने हुक्म दिया था, ये आपके आदेश थे कि जब हिन्दी की कापी आ जायेगी, उसके बाद यह लगेगी। ...(व्यवधान)

श्री दारा सिंह चौहान : यह हिन्दी का सवाल नहीं है, देश का सवाल है, राष्ट्रभाषा का सवाल है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइये, उनको अपनी बात पूरी क्यों नहीं करने दे रहे। जो आपकी भावना है, वही तो व्यक्त कर रहे हैं, मंत्री महोदय।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइये। राष्ट्रभाषा के प्रति अपनी भावनाएं ही वे व्यक्त कर रहे हैं। आप बैठ तो जाइये, उनको सुन तो लीजिए।

श्री पवन कुमार बंसल: हम हर सम्भव कोशिश कर रहे हैं कि हिन्दी का अनुवाद जल्दी से जल्दी तैयार हो जाये और यहां अपने सदस्यों को वह मिल पाये। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइये। अब बात हो गई, इस पर चर्चा हो गई। श्रीमती सुषमा स्वराज।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: It was the Speaker's decision, and it should not be discussed in the House.

...(*Interruptions*)

श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह (मुंगेर): उस पर तो हम प्रश्न ही नहीं कर रहे हैं।

MADAM SPEAKER: It cannot be discussed in the House.

...(*Interruptions*)

श्री शरद यादव (मधेपुरा): अध्यक्ष महोदया, आपका निर्णय बिल्कुल वाजिब है। ...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): अध्यक्ष महोदया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। जब हिन्दी की कापी मिल जाये, तभी लिब्रहान आयोग पर चर्चा होनी चाहिए।...(व्यवधान)

श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह : अगर रिपोर्ट हाउस में ले हुई है तो वह मिलनी चाहिए कि नहीं मिलनी चाहिए?...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : वह उन्होंने बहुत विस्तार से बता दिया है।

अब आप शून्य प्रहर को आगे बढ़ने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह : मैडम, अगर आपका प्रोटेक्शन इस पर भी नहीं मिलेगा, तो वह रिपोर्ट कब देंगे, यह तो बता दें। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : उन्होंने विस्तार से बता दिया है। उनका प्रयास है और जैसा उन्होंने कहा कि वह शीघ्र उपलब्ध करायेंगे। उनका प्रयास चल रहा है। आप कृपया शांत हो जाइए।

अब सिर्फ सुषमा जी की बात ही रिकार्ड में जाएगी। आप शून्य प्रहर चलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)